प्रमाणपत्र

मैं संस्तुति करता हूँ कि इस लघु शोध प्रबंध को परीक्षा हेतु अग्रेषित किया जाए।

अध्यक्ष,
हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

३०जून १९९५

प्रख्यापन

=-=

" यशपाल के "दिव्या" उपन्यासका अनुशीलन "

=-=

यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. [हिन्दी] के प्रबंधके रूपमें प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

अग्रण-धुळगांव, व्हाया महांकाळ,
जि. सांगली.
दिनांक :- 30 जून, १९९५

श्री काकासाो बापूसाो भोसले
शोधछात्र

प्राचार्य एन.बी. गुंडे,
एम्.ए.
मानद प्राध्यापक,
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग,
श्रीमती कस्तुरबाई वालचंद महाविद्यालय,
सांगली.

प्रमाणपत्र

मैं प्रा. नेमिनाथ बळवंत गुंडे, सांगली यह प्रमाणित करता हूँ कि प्रा. बाबासाहेब बापूसो भोसले ने शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर की एम्.फिल. [हिन्दी] उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध, "यशपालके "दिव्या उपन्यासका अनुशीलन" मेरे निर्देशन में बड़े परिश्रम के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया है। जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही है। प्रा. भोसले के शोध कार्य के बारेमें मै पूरी तरह से संतुष्ट हूँ।

सांगली.
दिनांक :30 जून १९९५

भवदीय प्राचार्य एन.बी.गुंडे]
शोध निर्देशक